Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Governement of India

वैभव फैलोशिप

(भारतीय प्रवासियों हेतु)

उद्देश्य:

वैभव अध्येतावृत्ति का उद्देश्य विदेशी संस्थानों से भारत में संकाय सदस्य/अनुसंधानकर्ता की गतिशीलता के जरिए भारतीय संस्थानों और विश्व के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा देकर भारत के उच्चतर शिक्षा और वैज्ञानिक संस्थानों के अनुसंधान पारितंत्र में सुधार करना है।

पात्रता: (वैज्ञानिकों हेतु)

1. आवेदक को अनिवासी भारतीय (एनआरआई), भारतीय मूल का व्यक्ति (पीआईओ) और वर्तमान में विदेश में रह रहे भारत का विदेशी नागरिक (ओसीआई) होना चाहिए ।
2. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पीएचडी/एमडी/एमएस का डिग्री धारक होना चाहिए।
3. आवेदक विदेशी शैक्षणिक/अनुसंधान/औद्योगिक संगठनों में कार्यरत अनुसंधानकर्ता होना चाहिए, जिसका शीर्ष -500 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में अनुसंधान और विकास के कार्य का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड हो।
4. भारत में स्थित अनुसंधान संस्थान/शैक्षणिक संस्थान में वर्ष में न्यूनतम 1 महीने से अधिकतम 2 महीने तक, तीन वर्ष तक प्रसरित, अनुसंधान कार्य करने की योजना हो।
5. आवेदक कैलेंडर वर्ष में मात्र एक बार अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

पात्रता: (संस्थानों के लिए)

1. उच्च शिक्षण संस्थान/विश्वविद्यालय, एनआईआरएफ समग्र रैंकिंग में शीर्ष 200 में रैंक धारक हो और एनएएसी 'ए' ग्रेड (3.0 और अधिक) वाला और वैज्ञानिक संस्थान हो।

सहायता का स्वरूप और अवधि:

1. अध्येतावृत्ति मात्र भारत में मान्य है और इसे किसी भी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान, राष्ट्रीय प्रयोगशाला और अन्य मान्यता प्राप्त आर एंड डी संस्थानों में कार्यान्वित किया जा सकता है। मेजबान संस्थान को आवश्यक प्रशासनिक और अवसंरचनात्मक सहायता प्रदान करनी चाहिए।
2. अध्येतावृत्ति 3 वर्ष की अवधि हेतु प्रत्येक वर्ष 1-2 महीने के लिए है।

अध्येता अनुदान प्राप्ति के पात्र निम्नानुसार होंगे:

- फैलोशिप @ USD 5000 (समतुल्य भारतीय मुद्रा में)
- अपने संस्थान स्थल से भारत में कार्यस्थल तक बिजनेस क्लास में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा
- 3 या 4 सितारा होटल में आवास
- आकस्मिक व्यय 100,000 रुपये प्रति वर्ष
- अकादमिक उद्देश्यार्थ वर्ष में दो स्थानों की घरेलू यात्रा

मेजबान संस्थान को वैज्ञानिक मेजबानी और कार्यालय/प्रयोगशाला स्थान और विभिन्न अवसंरचना सहायता के लिए सुविधा प्रदान करने हेतु प्रति वर्ष 10 लाख रुपये प्राप्त होंगे।

चयन और आवेदन पद्धति

- वैभव अध्येतावृत्ति हेतु आवेदनार्थ आह्वान डीएसटी वेबसाइट www.dst.gov.in के द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।
- आवेदन वर्ष में दो बार आमंत्रित किए जाएंगे, जो 31 जुलाई और 31 जनवरी को समाप्त होंगे।
- आवेदन पत्र और कृत अनुसंधान कार्य के उद्देश्यों को व्यक्त करने वाला अनुसंधान प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
- आवेदक को अपना अनुसंधान कार्य करने हेतु भारतीय संस्थान/विश्वविद्यालय/अनुसंधान प्रयोगशाला अभिज्ञान करना होगा।
- चयन, डीएसटी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जाएगा।

निर्धारित संरूप में अपेक्षित दस्तावेज (पीडीएफ में):

- आवेदक का जीवनवृत्त
- आयु प्रमाण-पत्र
- योग्यता प्रमाण-पत्र
- आवेदक का वचनबंध प्रमाण-पत्र और उनके मूल संस्थान से अनापत्ति प्रमाणपत्र
- मेजबान संस्थान से पुष्टि प्रमाण-पत्र
- साहित्यिक-चोरी संबंधी वचनबंध

अध्येतावृत्ति का समापन

- यदि कोई अध्येता अध्येतावृत्ति को समाप्त करना चाहता है, तो वह डीएसटी को सूचित करेगा। कार्यान्वयन संस्थान को परियोजना समाप्ति की तारीख या पीआई के परित्याग की तिथि से कोई व्यय नहीं करना चाहिए। संस्थान उपर्युक्त दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की व्यवस्था भी करेगा।
- यदि डीएसटी आश्वस्त हो जाता है कि यथोचित प्रगति नहीं हो रही है अथवा अनुदान का उपयुक्ततः प्रयोग नहीं किया गया है तो वह किसी भी स्तर पर अध्येतावृत्ति का समापन करने का अधिकार रखता है।

सम्पर्क विवरण:

अधिक जानकारी हेतु निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है:

श्री एस के वार्ष्णेय **सलाहकार और प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग** प्रौद्योगिकी भवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-110016 ईमेल: skvdst@nic.in	**श्री सुजीत बनर्जी** **वैज्ञानिक-एफ** **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग** **प्रौद्योगिकी भवन** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-110016 ईमेल: sujit@nic.in	**डॉ. चारु अग्रवाल** **वैज्ञानिक-सी** **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग** प्रौद्योगिकी भवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-110016 ईमेल: c.agarwal@gov.in

****